एम.ए. हिंदी कार्यक्रम
द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य
(जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्रों के लिए)

वैकल्पिक पाठ्यक्रम :

मॉड्यूल '4' : मध्यकालीन कविता

एम.एच.डी – 21 : मीरा का विशेष अध्ययन
एम.एच.डी – 22 : कबीर का विशेष अध्ययन
एम.एच.डी – 23 : मध्यकालीन कविता–1
एम.एच.डी – 24 : मध्यकालीन कविता–2

सत्रीय कार्य

जुलाई–2025 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2026
जनवरी–2026 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 30 सितम्बर, 2026

एम.एच.डी.-21 : मीरा का विशेष अध्ययन
सत्रीय कार्य
(सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–21
सत्रीय कार्य कोडः एम.एच.डी–22/टी.एम.ए/2025–2026
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित काव्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **10× 3 = 30**

(क) जोगिया छाई रह्या परदेस।
अब का बिछड्या फेर न मिलिया, बहोरि न दियो संदेस।।
या तन ऊपर भसम रमाऊँ, खार करूँ सिर केस।।
भगवाँ भेष धरूं तुम कारण, ढूँ ढूँ चारूं देस।।
मीरा के प्रभु गिरधरनागर जीवनि जनम अनेस।।

(ख) कठण लगन की पीर रे, हरि लागी सोई जाने।
प्रीत करी कछु रीत न जाणी, छोड़ चले अधबीच।।
दुख की बेला कोई काम न आवे, सुख के सब हैं मीत।।
मीरा के प्रभु गिरधरनागर, आखर जात अहीर।।

(ग) अँखियाँ कृष्ण मिलन की प्यासी।
आप तो जाय द्वारका छाये, लोक करत मेरी हँसी।।
आम की डार कोयलिया बोलै, बोलत सबद उदासी।।
मेरे तो मन (अब) ऐसी आवै, करवत लेहौं कासी।।
मीरा के प्रभु गिरधरनागर, चरणकमल की दासी।।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए : **15× 3 = 45**

(i) मीरायुगीन सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का विवेचन कीजिए।
(ii) मीरा के विद्रोह के विविध पक्षों पर विचार कीजिए।
(iii) मीरा की काव्यकला पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित विषयों में से प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी लिखिए : **5× 5 = 25**

(i) चित्तौड़गढ़ में मीरा का जीवन
(ii) हिन्दी साहित्य के इतिहास ग्रंथों में मीरा
(iii) मुक्ताबाई
(iv) मीरा की विरह वेदना
(v) मीरा और आंदाल की भक्ति